डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 63 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 12 दिसम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

मोहन यादव के लिए खुद शिवराज ही बड़ी चुनौती रहेंगे...

मध्यप्रदेश के नए मुख्यमंत्री के रूप में मोहन यादव का नाम निश्चित ही चौंकाने वाला फैसला है। लेकिन, इस निर्णय में चौंका देने वाला तत्व बहुत अधिक दम नहीं रखता। वह इसलिए कि भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह पद के लिए खास कद की बजाय सुयोग्य के चयन पर ही विश्वास रखती है। इसीलिए ऐसा होता है कि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बना दिए जाते हैं और कभी सारे धुरंधरों के आगे मुख्यमंत्री के रूप में शिवराज सिंह चौहान का चयन कर लिया गया था। यादव को जो थोड़ा बहुत भी जानते हैं, वह इस बात से निश्चित ही सहमत होंगे कि वह अपने व्यक्तित्व और कृतित्व के लिहाज से भाजपा और संघ के मापदंडों पर पूरी तरह खरे उतरते हैं।

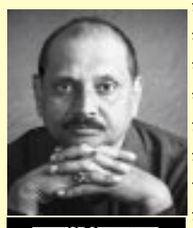

प्रकाश भटनागर

पार्टी के अनुशासित कार्यकर्ता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए पूरी तरह समर्पित। मंत्री के रूप में निर्विवाद। लोगों से मित्रवत संबंध और बड़ो के आदर में कोई कमी नहीं। दरअसल यह भाजपा में ही संभव है कि अपेक्षाओं पर खरा उतरने वाले किसी साधारण कार्यकर्ता को भी यह पार्टी तराश कर इस तरह आगे ले आती है। यह निर्णय उस समय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, जब यह साफ है कि यादव को मुख्यमंत्री बनाने के पीछे किसी विकल्प के अभाव जैसी कोई स्थिति नहीं थी। फिर भी उनका चयन किया जाना इस तथ्य को रेखांकित करता है कि यह दल गिने-चुने नामों वाली विवशता का अतिक्रमण कर नए प्रयोग का जोखिम उठाने की क्षमता रखता है। इससे यह भी साफ है कि भाजपा का नेतृत्व क्षमताओं को पहचानकर अवसर देने के मामले में शेष दलों के मुकाबले बहुत आगे है।

इसके अलावा छत्तीसगढ़ के बाद मध्यप्रदेश में हुआ फैसला भाजपा की लंबी रणनीतिक संरचना की तरफ भी ध्यान आकर्षित करता है। विपक्ष से मिल रही भविष्य की चुनौतियों का कैसे जवाब देना है, यह भाजपा के नेतृत्व ने शायद तय कर लिया है। यह फैसला इस बात की तरफ भी इंगित करता है कि संगठन की शक्ति को भाजपा ने सदैव की तरह एक बार फिर महत्व दिया है। मालवा अंचल में पार्टी के मामूली कार्यकर्ता से लेकर प्रदेश के काबीना मंत्री के रूप में यादव ने संघ, विद्यार्थी परिषद से लेकर भाजपा संगठन के अनुशासन को शिरोधार्य कर उसकी मजबूती के लिए सदैव ही काम किए हैं।

उमा भारती से लेकर बाबूलाल गौर, शिवराज सिंह चौहान और अब यादव, ये चयन बताता है कि भाजपा भले ही कभी बनिए और ब्राह्मणों की पार्टी कहलाती हो। लेकिन, समाज के कमजोर तबके को आदर और अवसर, दोनों प्रदान करने में उसने कभी भी चूक नहीं की है। जबकि यह उस प्रदेश की बात है, जहां लंबे समय तक शासन के बाद भी कांग्रेस ने वंचित तबके को मुख्यमंत्री पद तक लाने में कोई रुचि नहीं ली। एक तरह के विद्वेष से भरी इस विडंबना के चलते ही ऐसा भी हुआ कि कांग्रेस के भीतर आदिवासी मुख्यमंत्री की मुहिम ने जबरदस्त आपसी घमासान का रूप ले लिया, फिर भी बात केवल इतनी हुई कि शिवभानु सिंह सोलंकी से लेकर जमुना देवी, प्यारेलाल कंवर और सुभाष यादव को आगे बढ़ने के सीमित ('प्रतिबंधित' कहना अधिक उचित होगा) अवसर प्रदान कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली गई। इस पूरे चुनाव में राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा जाति आधारित जनगणना की कसमे खाते रहे। लेकिन, वहीं यह भी हुआ कि पार्टी की राज्य स्तरीय गतिविधियों और उनमें महत्व देने का क्रम कमलनाथ तथा दिग्विजय सिंह तक ही सिमट कर रह गया। फिर यादव पर आएं। यह तय है कि नए मुख्यमंत्री के लिए सबसे बड़ी चुनौती खुद शिवराज सिंह चौहान ही साबित होंगे। इस बात को किसी नाराजगी या विद्रोह से जोड़कर न ..... शेष पेज 4 पर

विस चुनाव: युवराज का राजनीतिक करियर में उठापटक

हार के बाद बदले समीकरण, अब नए नेताओं का फार्म में आना तय

मंदसौर, 11 दिसंबर गुरु एक्सप्रेसा इस बार विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद विशेषकर मंदसौर में राजनीतिक समीकरणों में तगड़ा बदलाव हुआ है। विशेष बात यह है कि दोनों ही दलो में यह बदलाव देखने को मिलेगा। इसमें खास बात यह है कि नेता पुत्र जिनकी राजनीतिक करियर की चाल एक्सप्रेस ट्रेन की तरह चलती नजर आ रही थी। कहीं न कहीं वहां फिलहाल एक स्टेशन आने की भांति धीमी होना तय है। इधर जहां युवराज की राह थमेंगी तो अन्य लूप लाईन में जिंदगी गुजार रहे नेता या नेता पुत्रों का फार्म में आना तय है।

मंदसौर परिणाम से यह बदले समीकरण...

पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया विधायकी का चौका नहीं मार पाए। 2023 की जीत के बाद उनका कद काफी बढ़ना तय था। यशपालसिंह सिसौदिया के पुत्र डॉ भानुप्रतापसिंह सिसौदिया की राजनीतिक पारी की रफ्तार का अंदाजा सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता और उनके पिछे जुड़ती युवा लाबी से ही लगाया जा सकता है। स्थिति यह थी कि नगरपालिका के पार्षद चुनाव हेतु मैदान में उतरने और फिर अध्यक्ष या उपाध्यक्ष के लिए भी उनके नाम की चर्चा होने लगी थी। कहीं न कहीं यशपालसिंह सिसौदिया के चुनाव हारने के बाद जिला मुख्यालय पर कैलाश चावला, मानसिंह माच्छोपुरिया, डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा का राजनीतिक इंटरफेर बढ़ना तय है। मतलब प्रितेश चावला, अनिल कियावत जैसे कई नाम है जो राजनीति

में फिर से सक्रिय हो जाएगे।

गरोठ में टोनू का चला था विधानसभा के लिए नाम...

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री सुभाष सोजतिया की पुत्री टोनू सोजतिया ने चुनावों में अपने पिता का चुनावी मैनेजमेंट बेहतरीन तरीके से संभाला। यहां तक की टोनू सोजतिया का नाम विस चुनाव में गरोठ से भी चला। चर्चाओं में माना जा रहा था कि टोनू इस बार कांग्रेस प्रत्याशी हो सकती है। कुछ भी हो कहीं न कहीं पिता की तरह सफल राजनीतिज्ञ का चेहरा उनमें नजर आता है। लेकिन, इस बार चुनाव में सुभाष सोजतिया को बड़े अंतर से हार झेलना पड़ी। लगातार चौथी हार और उम्र का पड़ाव सुभाष के लिए माइनस पाइंट माना जा रहा है। यही कारण है कि विस के भानपुरा और गरोठ दोनों ही जगह के कांग्रेस नेता तगड़े सक्रिय हो जाएगे। ऐसे में कहीं न कहीं टोनू सोजतिया की राजनीतिक राह इतनी आसान नहीं होगी। क्योंकि, फिलहाल संगठन का न कोई उनके पास पद है और न ही कोई खुलकर संगठन के लिए काम किया है।

सोमिल के लिए राह अब कठिन...

कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा के भतीजे सोमिल नाहटा के पीछे युवा टीम जुड़ी हुई है। लंबे समय से धरना और ज्ञापन सहित पार्टी के लिए जी जान से काम कर रहे हैं। इस बार मनासा से कांग्रेस के लिए उनके मैदान में उतरने की पूरी संभावना जताई जा रही थी। लेकिन, उनके ताऊजी नरेंद्र नाहटा एक बार फिर से किस्मत आजमाने उतरे। यहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इधर मंदसौर में विपीन जैन ने जीत हासिल की। विपीन जैन की बात करें तो उनकी एनएसयूआई और स्थानीय युकां के नेताओं से नजदीकी खासी रही है। जिलाध्यक्ष बनने के बाद भी इस बात को महसूस किया जा रहा था। संसदीय क्षेत्र में एक मात्र प्रत्याशी का जीतना विपीन की काबलियत को बयां करता है। इस जीत के बाद उनका पार्टी में कद बढ़ा है। मतलब तय है कि जिलाध्यक्ष से लेकर विधायकी मिलने तक विपीन के साथ चलने वालों को लाभ हो सकता है।

जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वो काश्मीर हमारा है...

सुप्रीम कोर्ट ने आर्टिकल 370 हटाने के फैसले को बताया सही: बरकरार रहेगा केंद्र का फैसला

नई दिल्ली, 11 दिसंबर गुरु एक्सप्रेसा। अनुच्छेद 370 को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ गया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि आर्टिकल 370 का प्रावधान उस समय युद्ध के बाद उपजे हालात को लेकर किया गया था। यह अस्थायी है और इसे बदला जा सकता था। इसे निरस्त करने के लिए केंद्र सरकार ने प्रक्रिया के तहत निर्णय लिया। जम्मू-कश्मीर राज्य भारत का अभिन्न अंग है। यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 1 और 370 से स्पष्ट है। भारत में विलय के बाद जम्मू-कश्मीर संप्रभु राज्य नहीं रहा। जम्मू कश्मीर में अब उसकी संविधान सभा नहीं है। भाजपा द्वारा बरसो से लगाए जा रहे जयकारे 'जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वो काश्मीर हमारा है।' को भी सुप्रीम कोर्ट ने माना है।

राज्य में युद्ध की स्थिति के कारण अनुच्छेद 370 एक अंतरिम व्यवस्था थी। यह भी संकेत मिलता है कि यह एक अस्थायी प्रावधान है। सीजेआई ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 1 और 370 के तहत जम्मू कश्मीर भारत का एक अभिन्न अंग है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता की यह दलील खारिज की कि राष्ट्रपति..... शेष पेज 4 पर

मालवा के हाथ में प्रदेश की कमान...

मोहन यादव होंगे नए मुख्यमंत्री, दो डिप्टी सीएम बनाए गए

मोदी-शाह ने फिर चौंकाया, मप्र के मुख्यमंत्री के तौर पर तीसरी लाइन के नेता का चयन

भोपाल, 11 दिसंबर गुरु एक्सप्रेसा। मध्यप्रदेश के नए मुख्यमंत्री मोहन यादव होंगे। मोहन यादव के नाम का ऐलान विधायक दल की बैठक के बाद किया गया है। मोहन यादव मध्यप्रदेश की उज्जैन जिले की उज्जैन दक्षिण विधानसभा से विधायक हैं और शिवराज सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री थे। 58 साल के मोहन यादव के नाम का प्रस्ताव बीजेपी विधायक दल की बैठक में शिवराज सिंह चौहान ने रखा, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया और फिर मोहन यादव के नाम का ऐलान मध्यप्रदेश के नए मुख्यमंत्री के तौर पर किया गया। मोहन यादव तीसरी बार के विधायक हैं। वो सबसे पहले 2013 फिर साल 2018 और 2023 में विधायक बने। मोहन यादव को संघ व पीएम मोदी व अमित शाह का खास माना जाता है।

जानिए अपने सीएम को...

नाम : मोहन पिता पूनमचंद यादव, उम्र- 58 वर्ष
शिक्षा : बीएससी, एलएलबी, एमए, एमबीए, पीएचडी
परिवार में पत्नी और दो बच्चे (एक बेटा और एक बेटी दोनों ही डाक्टर)
पता : 1/1 मुंज मार्ग, फ्रीगंज

राजनीतिक करियर : वर्ष 1984 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में शामिल होकर संगठन का कार्य करना शुरु किया। वह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सदस्य भी रहे। 2004 से 2010 तक उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रहे हैं। 2011 से 2013 तक एमपी राज्य पर्यटन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रहे। फिर 2013 से 2018 तक विधायक रहे और दूसरी बार निर्वाचित होने पर 2019 के बाद उच्च शिक्षा मंत्री रहे। उन्होंने 2013 में उज्जैन दक्षिण से चुनाव लडा था और लगातार तीसरे चुनाव में यहां से विधायक निर्वाचित हुए हैं। इस बार उन्होंने कांग्रेस के प्रत्याशी चेतन प्रेमनारायण यादव को 12 हजार 941 वोटों से हराया था। मोहन यादव को 95 हजार 699 वोट मिले थे।

शपथ लेने के बाद अपने घर रात्रि विश्राम नहीं कर सकेंगे यादव...

उज्जैन के लिए कहा जाता है कि यहां के राजा महांकाल है। इसलिए प्रदेश के मुख्यमंत्री या देश प्रधानमंत्री कभी भी उज्जैन में रात नहीं रुकते है। यदि इस मान्यता को चलाए रखना है तो मोहन यादव को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद अपने क्षेत्र उज्जैन शहर में नहीं रुकना होगा। हाल फिलहाल तक तो कांग्रेस हो या भाजपा किसी भी मुख्यमंत्री ने उज्जैन रात्रि विश्राम नहीं किया है। आगे-आगे देखते है होता है क्या...।

जगदीश देवड़ा बने उप मुख्यमंत्री...

मध्यप्रदेश में थावरचंद गहलोत के बाद एक बड़े दलित चेहरे जगदीश देवड़ा को मध्य प्रदेश का उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। 1990 में पहली बार विधायक बनने के बाद से अपने लगभग 33 वर्ष के लंबे राजनीतिक कार्यकाल में जगदीश देवड़ा सातवीं बार विधायक बने हैं।

प्रदेश की 2003 में उमा भारती सरकार से लेकर अभी शिवराजसिंह चौहान की सरकार तक वे बड़े मंत्रालय संभाल चुके हैं। जिनमे परिवहन, गृह, श्रम, जेल, वित्त मंत्री का प्रभार भी संभाल चुके हैं। इसके अलावा पार्टी ने उन्हें जहां भी भेजा, वहां काफी अच्छे से कार्य किया है। थावरचंद गहलोत के राज्यपाल बनने के बाद से मप्र बीजेपी में बड़े दलित चेहरे के रुप में देखा था उसके चलते अब उन्हें उप मुख्यमंत्री के रुप में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। श्री देवड़ा को मुख्यमंत्री बनाने के बाद उनके समर्थकों में खुशी का माहौल है। मल्हारगढ़, मंदसौर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उनके समर्थको ने महाराणा प्रताप बस स्टैंड पर तो जिला भाजपा ने भाजपा कार्यालय के बाहर आतिशबाजी कर उत्साह का प्रदर्शन किया।

अपनी जमीं अपना आकाश पैदा कर, अपना नया इतिहास पैदा कर।
मांगने से जिन्दगी कब मिलती है दोस्त, हर कदम पर नया विश्वास पैदा कर।।

श्री डंग

श्री अटोलिया

श्री पंवार

श्रीमती यादव

म.प्र. के मुख्यमंत्री पद पर मनोनीत होने पर
श्री मोहनजी यादव
एवं उपमुख्यमंत्री मनोनीत होने पर
श्री जगदीशजी देवड़ा
को

हार्दिक बधाईयां एवं ढेरों शुभकामनाएं
शुभेच्छु **********
S R परिवार, शामगढ़, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

जन-जन के लाड़ले, पूर्व वित्त मंत्री,
मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक
श्री जगदीशजी देवड़ा

को
उपमुख्यमंत्री
मनोनीत होने पर

हार्दिक शुभकामनाएं
**** शुभेच्छु ****
घनश्याम टांक
पूर्व सरपंच कुचड़ोद
पूर्व जनपद सदस्य, जपं मंदसौर

विचार-मंथन

जांच का दायरा बढ़ाने की जरूरत...

संसद की आचार समिति की सिफारिश पर आखिरकार तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया। पिछले कुछ समय से इस बात पर बहस हो रही थी कि महुआ मोइत्रा पर लगे आरोपों में कितनी सच्चाई है और इसके आधार पर उनकी सदस्यता को रद्द करना कितना उचित होगा। मगर शुक्रवार को आचार समिति की रिपोर्ट लोकसभा में पारित हो गई और 'पैसे लेकर सदन में सवाल पूछने' के मामले में फैसला उनके खिलाफ गया। गौरतलब है कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने तृणमूल कांग्रेस से सांसद महुआ मोइत्रा पर यह आरोप लगाया था कि उन्होंने भारतीय कारोबारी गौतम अदाणी और उनकी कंपनियों के समूह को निशाना बनाने के लिए संसद में लगातार सवाल पूछे, मगर इसके लिए उन्हें रिश्वत मिली। इसके अलावा, उन पर लोकसभा पोर्टल का 'लाग-इन' भी किसी अन्य के साथ साझा करने का आरोप है। इस मामले में महुआ मोइत्रा का कहना है कि उन्हें संसद में अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया। जाहिर है, अब इस पहलू पर भी बहस होगी कि सदस्यता रद्द करने जैसे सबसे सख्त फैसले के बजाय क्या इस मामले में कोई और विकल्प या बीच का रास्ता नहीं बचा था? दरअसल, 'पैसे लेकर सदन में मुद्दा उठाने' को लेकर अक्सर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। इस तरह के आरोप के कारण किसी सांसद को सदन से निष्कासित करने के मामले पहले भी आए हैं। मगर जहां तक महुआ मोइत्रा का सवाल है, तो इस मामले में अपने ऊपर लगे आरोपों को उन्होंने निराधार बताया और कहा कि उनके नगद या तोहफे लेने का सबूत कहीं नहीं है और वे हर तरह की जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं। लोकसभा का पोर्टल किसी अन्य व्यक्ति से साझा करने को लेकर उनका मानना है कि इस बारे में कोई स्पष्ट नियम नहीं है। ऐसे में यह देखने की बात होगी कि इस मामले में आचार समिति के निष्कर्ष के क्या आधार हैं। फिर भी, अगर इस आरोप के पुख्ता सबूत हैं, तो 'लाग-इन' किसी अन्य व्यक्ति के साथ साझा करना क्या नैतिक और तकनीकी दृष्टि से उचित है और क्या यह अपने दायित्वों की सीमा की अनदेखी नहीं है? जहां तक आचार समिति के पास निष्कासित करने और प्रक्रिया के दुरुपयोग का मसला है, तो इस पर संसद में बहस हो सकती थी, जहां इस बारे में कोई स्पष्ट तस्वीर उभरती। इस समूचे मामले में विपक्ष को सवाल उठाने का मौका इसलिए भी मिला कि कुछ समय पहले लोकसभा में ही भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी ने बसपा सदस्य दानिश अली को आपत्तिजनक बातें कही थीं और धर्म-आधारित टिप्पणियां की थीं। मगर उनके मामले में सुनवाई और कार्रवाई को लेकर ऐसी ही सख्ती नहीं दिखी। हालांकि संसद में पैसे लेकर सवाल पूछने और वेबसाइट का 'लाग-इन' साझा करने के आरोप प्रकृति में अलग और गंभीर हैं, मगर सबूतों के आधार पर कार्रवाई की सिफारिश के समांतर महुआ मोइत्रा को पक्ष रखने का मौका देने की उम्मीद की जा रही थी। यों इससे पहले समिति की जांच के दौरान उन्होंने निजी सवाल किए जाने का आरोप लगाया था। संसद लोकतंत्र का प्रतिनिधि हिस्सा है और इसमें सवालों पर बहस किसी खास मुद्दे पर सभी पक्षों की पारदर्शिता और जनता के सामने स्पष्टता सुनिश्चित करने का जरिया है। इस समूचे मामले में महुआ मोइत्रा की सदस्यता रद्द होने के बाद संभवतः इस पर बहस की मांग उठे कि सदन में पैसे लेकर सवाल पूछने के मुद्दे की जांच का दायरा व्यापक हो। साथ ही, विधायिका के सदस्यों को अपने दायित्व, अधिकार और सीमाओं को लेकर भी ईमानदार रहने की जरूरत है।

सिर्फ भाषणों से कम नहीं होगा प्रदूषण

रोहित कौशिक

इस समय जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण जैसी समस्याओं पर विचार करने के लिए दुबई में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कॉप-28) चल रहा है। इस सम्मेलन में विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने भारत पर केन्द्रित एक रिपोर्ट में बताया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण 2011 से 2020 का दशक औसत से ज्यादा गर्मी और सर्वाधिक बारिश वाला रहा। इस अवधि में जलवायु परिवर्तन की दर चिंताजनक रूप से बढ़ी। रिपोर्ट के अनुसार 2011-2020 का दशक उत्तर पश्चिमी भारत, पाकिस्तान, चीन व अरब प्रायद्वीप के दक्षिणी तट के लिए सबसे गर्म रहा। वहीं ठंडे दिनों की संख्या लगातार घट रही है। पिछले दशक में 1961-1990 के दशकों की तुलना में ठंडे दिन 40 प्रतिशत घटे हैं। भारत में बाढ़ की समस्या भी बढ़ी है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि प्रदूषण रोकने की तमाम कोशिशों के बावजूद प्रदूषण मे कमी नहीं आ रही। हमारे देश में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में प्रदूषण कम करने और पर्यावरण के संरक्षण को लेकर चिंता जताई जा रही है। हालांकि इस महत्वपूर्ण सम्मेलन का लाभ तभी होगा जब पर्यावरण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर कोई कारगर और ठोस पहल होगी। यह विडम्बना ही है कि विकसित देश अपना कार्बन उत्सर्जन अपेक्षा के अनुरूप कम नहीं कर पा रहे हैं। अपने स्वार्थ के चलते दुनिया के कई अमीर देश इस दिशा में तेजी से कदम नहीं उठाते हैं। इस कारण प्रदूषण की स्थिति में भी उतना सुधार नहीं होता है, जितना वास्तव में होना चाहिए। कुछ समय पहले संयुक्त राष्ट्र के पर्यावरण विशेषज्ञ डेविड बोयड ने भी अपने एक वक्तव्य में कहा था कि करीब 6 अरब लोग नियमित रूप से घातक प्रदूषित हवा में सांस ले रहे हैं, जिससे उनका जीवन और स्वास्थ्य जोखिम में घिरा है। इसके बावजूद इस महामारी पर बहुत कम ध्यान दिया जा रहा है। डेविड बोयड के अनुसार हर घंटे 800 लोग मर रहे हैं, जिनमें से अनेक स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएं झेलने के कई वर्षों बाद मर रहे हैं। कैंसर, सांस की बीमारियां और दिल के रोगों में प्रदूषित हवा के कारण लगातार वृद्धि हो रही है। एक अनुमान के अनुसार घर के अंदर और बाहर होने वाले वायु प्रदूषण के कारण हर साल करीब 70 लाख लोगों की मौत समय से पहले हो जाती है, जिनमें 6 लाख बच्चे भी शामिल हैं। हमारे देश में निर्माण संबंधी गतिविधियों, औद्योगिक प्रदूषण, पराली जलाने की प्रक्रिया, जीवशम ईंधन तथा वाहनों के निकलने वाले धुएं के कारण वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। पिछले दिनो एक अध्ययन में बताया गया था कि वायु प्रदूषण टाइप-2 मधुमेह को भी बढ़ा रहा है। पीएम-2.5 टाइप-2 मधुमेह के मामलों और मृत्यु को बढ़ाता है। पीएम-2.5 को उच्च रक्तचाप के लिए भी जिम्मेदार माना गया है। हमारे देश में वायु प्रदूषण के कारण सांस की बीमारियों, ह्रदय की बीमारियों, ह्रदयाघात, फेफड़ों के कैंसर के फलस्वरूप समय से पूर्व मृत्यु की दर बढ़ती जा रही है। पिछले दिनों विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी एक रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत में लगातार वाहनों की संख्या बढ़ने के कारण प्रदूषण और सांस से संबंधित विभिन्न बीमारियां पनप रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञ डेविड बोयड के अनुसार स्वच्छ हवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। इस तरह इसे सुनिश्चित न कर पाना स्वस्थ पर्यावरण के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। इसे सुनिश्चित करने के लिए कुछ प्रयास किए जाने की जरूरत है। इनमें वायु गुणवत्ता एवं मानव स्वास्थ्य पर उसके प्रभावों की निगरानी, वायु प्रदूषण के स्रोतों का आकलन और जन स्वास्थ्य परामर्शों समेत अन्य सूचनाओं को सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध कराना शामिल है। यह कटु सत्य है कि वायु प्रदूषण का एक बड़ा कारण वाहनों से निकलने वाला जहरीला धुआं है। वायु प्रदूषण पर इस तरह के अध्ययन न केवल वाहनों के माध्यम से होने वाले वायु प्रदूषण पर हमारी आंखें खोलते हैं बल्कि जरूरत से ज्यादा ऐशो-आराम की जिन्दगी जीने की लालसा पर भी प्रश्नचिह्न लगाते हैं। गौरतलब है कि 75 फीसदी से भी अधिक वायु प्रदूषण वाहनों के माध्यम से होता है। वाहनों से निकलने वाले धुएं में कार्बन मोनोऑक्साइड ,नाइट्रोजन के ऑक्साइड, हाइड्रोकार्बन तथा सस्पैंडेड पर्टिकुलेट मैटर जैसे खतरनाक तत्व एवं गैसें होती हैं जो स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक हैं। कार्बन मोनोऑक्साइड जब सांस के माध्यम से शरीर के अंदर पहुंचती है तो वहां हीमोग्लोबिन के साथ मिलकर कार्बोक्सीहीमोग्लोबिन नामक तत्व बनाता है। इस तत्व के कारण शरीर में आक्सीजन का प्रवाह सुचारू रूप से नहीं हो पाता है। नाइट्रोजन मोनोऑक्साइड एवं नाइट्रोजन डाइऑक्साइड भी कम खतरनाक नहीं हैं। नाइट्रोजन मोनोऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड की तरह ही हीमोग्लोबिन के साथ मिलकर शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा घटाती है। इसी तरह नाइट्रोजन डाईऑक्साइड फेफड़ों के लिए बहुत ही खतरनाक है। इसकी अधिकता से दमा और ब्रोंकाइटिस जैसे रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। वातावरण में हाइड्रोकार्बन की अधिकता कैंसर जैसे रोगों के लिए जिम्मेदार है। वाहनों से निकलने वाला इथोलिन जैसा हाईड्रोकार्बन थोड़ी मात्रा में भी पौधों के लिए हानिकारक है। सस्पैंडिड पार्टिकुलेट मैटर बहुत छोटे-छोटे कणों के रूप में विभिन्न स्वास्थ्यगत समस्याएं पैदा करते हैं। ऐसे तत्व हमारे फेफड़ों को नुकसान पहुंचाकर सांस संबंधी रोग उत्पन्न करते हैं। प्रदूषण पर लगातार हो रहे अध्ययन हमें बार-बार चेतने का संदेश देते रहे हैं। हमें यह समझना होगा कि सिर्फ भाषणों से प्रदूषण कम नहीं होगा। अगर हम अब भी नहीं चेतते हैं तो यह अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा होगा।

जीवन में संतुलन बनाने के लिए प्रयास आवश्यक

मोहम्मद जुबैर

सद्गुणी होने के लिए प्रयास करने होते हैं। जब प्रयास नहीं किया जाता है, तब ऐसा करने वाला दुर्गुणी हो जा सकता है। दुनिया हमने प्रयासों से सजाई है। वह फिर मूल स्थिति में जाना चाहती है। एक सुंदर इमारत को अगर हम कुछ समय के लिए छोड़ देते हैं, तो वह खंडहर में तब्दील होने लगती है और फिर धरती में मिल जाना चाहती है। हिंसक अंगुलिमाल किस हद तक क्रूर हो गया था? वह बुद्ध के प्रयासों से अहिंसक बन गया था। सिगमंड फ्रायड ने अपने मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांत में मूल प्रवृत्तियों इदम्, अहम्, पराअहम् से उत्पन्न मानसिक संघर्षों की व्याख्या करते हुए कहा कि मूलतः व्यक्ति अपने सुख की कल्पना करता है। यह पशु प्रवृत्ति होती है। सामाजिकता और नैतिकता पर आधारित आदर्शवाद और आध्यात्मिक अवस्था पर पहुंचने के प्रयास में व्यक्ति में बुद्धि और तार्किकता पर आधारित मध्यम प्रवृत्ति विकसित होती है। आसान शब्दों में कहें तो मानव स्वभाव से हिंसक और पशु होता है। अब भले यह खोजने-जानने की बात हो कि स्वभाव के निर्माण की बुनियाद क्या होती है और किस बुनियाद से आखिर स्वभाव संचालित होने लगता है। जो हो, मनुष्य महान होने के प्रयास में ही बेहतर इंसान बनता है। उदाहरण से समझ सकते हैं कि जब पत्थर की खोज हुई, तब मनुष्य ने उसका सबसे पहला इस्तेमाल शायद पशु को मारने के लिए किया, जबकि सभ्यता को तो हमने प्रयासों से गढ़ा है। यह सब नष्ट होने पर आतुर है। हमारे प्रयास ही इसे आगे बढ़ाते हैं। इसी प्रकार, हमें जीवन में कुछ बड़ा हासिल करने के लिए प्रयास करने होते हैं। हम रोजाना बेहतर करने के सैकड़ों निर्णय लेते है और अधिकांश निर्णय स्वयं में ही खारिज कर देते हैं या अमल में लाने का प्रयास नहीं करते हैं। यह हमें दिन-प्रतिदिन पीछे ले जाता है और वैसे लोग जो अपने निर्णयों को मूर्त रूप देने का प्रयास करते हैं, सफल हो जाते हैं। यह एक आम सलाह हो सकती है कि हमें अपने सपनों से समझौता नहीं करना चाहिए और प्रगति के लिए जीवन भर प्रयासरत रहना चाहिए। अल्बर्ट आईंस्टीन महोदय कहते हैं कि जिंदगी साइकिल चलाने की तरह है। संतुलन बनाए रखने के लिए चलते रहना होता है। यानी जीवन में संतुलन के लिए प्रयास आवश्यक है। समस्याएं तब आती हैं, जब हम प्रयासरत नहीं होते हैं। जीवन के अंतिम चरण बुढ़ापे को ही देखा जा सकता है, जहां व्यक्ति के प्रयास शिथिल पड़ने लगते हैं और क्रियात्मकता शून्य होने लगती है। इस अवस्था में समस्याएं घेरने लगती हैं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि जीवन में ठहराव और संतुष्टि विनाश का कारण बनती है। दार्शनिक जेएस मिल कहते हैं कि एक संतुष्ट सूअर होने की अपेक्षा असंतुष्ट मनुष्य होना श्रेष्ठ है। असंतुष्टि प्रयास के लिए प्रेरित करती है और प्रयास प्रगति को जन्म देते हैं। इतिहास इस बात का साक्षी है कि जो भी महान बना है, उसमें उसके प्रयास निहित हैं। बशीर बद्र प्रयास की महत्ता को उजागर करते हुए कहते हैं कि 'ये फूल मुझे कोई विरासत में मिले हैं, तुमने मिरा कांटों भरा बिस्तर नहीं देखा'। दरअसल, व्यक्ति अपनी सफलता की कहानी स्वयं गढ़ता है। इसे अनेक महापुरुषों ने आवाज दी है कि आपका भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि आज आप क्या करते हैं। उपलब्धियां उसे ही मिलती हैं, जो सही दिशा में कोशिश करते हैं। यह जगजाहिर है कि इससे पहले कि सपने सच हों, आपको सपने देखने होंगे। सर्वप्रथम अपने मन को तैयार करना होता है। मन की शक्ति अद्भुत है, बशर्ते इस पर अमल करने का साहस होना चाहिए। साहस जीवन से डर को खत्म कर देता है। जब जीवन में असफलता का डर नहीं होगा तो सपनों को साकार करना सहज हो जाता है और मन की शक्ति व्यक्ति के व्यक्तित्व के नए आयाम खोल देती है। व्यक्ति का व्यक्तित्व उतना ही है, जितना उसने स्वयं के प्रयास से अर्जित किया है या जिसने खुद के सपनों को साकार किया है। अकर्मण्यता तो विरासत में मिली उपलब्धियां भी खा जाती हैं। हमें कर्म करते जाना चाहिए। हर धर्म और मत यही सिखाता है कि हमें भविष्य की कल्पनाओं में गोता लगाने और फल की चिंता में डरने के बजाय कर्म को प्राथमिकता देनी चाहिए।

एलआईसी और एसबीआई के बारे में झूठ फैलाने वाला विपक्ष क्या अब जनता को सच्चाई बताने की हिम्मत दिखाएगा?

यहां सवाल यह उठता है कि उस समय एलआईसी, एसबीआई और सार्वजनिक क्षेत्र के अन्य बैंकों द्वारा बार-बार दिये जा रहे स्पष्टीकरण को खारिज करता रहा विपक्ष क्या आज जनता को अर्थव्यवस्था का सच बताने की हिम्मत दिखायेगा? भारतीय जीवन बीमा निगम यानि एलआईसी दुनिया की चौथी सबसे बड़ी बीमा कंपनी बन गयी है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की एक रिपोर्ट के अनुसार, एलआईसी का रिजर्व 503.7 अरब डॉलर रहा। रिपोर्ट के अनुसार इस सूची में पहले नंबर पर जर्मनी की एलियांज एसई, दूसरे नंबर पर चाइना लाइफ इंश्योरेंस कंपनी और तीसरे नंबर पर निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी शामिल हैं। एलआईसी इस सूची में एकमात्र भारतीय कंपनी है। इसके अलावा, भारत के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक के शुद्ध लाभ में 8 प्रतिशत की सालाना वृद्धि हुई है। हम आपको बता दें कि इस वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही में भारतीय स्टेट बैंक ने 14,330 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की है। आप सोच रहे होंगे कि यह दोनों आंकड़े हम आपको क्यों बता रहे हैं? दरअसल हम यह आंकड़े आपको इसलिए बता रहे हैं क्योंकि विपक्ष ने इस साल की शुरुआत में संसद के बजट सत्र के दौरान मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा था कि सरकार ने एसबीआई और एलआईसी का पैसा उद्योगपति गौतम अडाणी को दे दिया है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष ने आरोप लगाया था कि आम निवेशकों और पॉलिसी धारकों का भविष्य खतरे में पड़ गया है। इसके लिए कांग्रेस ने देशभर में एलआईसी और एसबीआई कार्यालयों पर मार्च और विरोध प्रदर्शन भी किया था। यहां सवाल यह उठता है कि उस समय एलआईसी, एसबीआई और सार्वजनिक क्षेत्र के अन्य बैंकों द्वारा बार-बार दिये जा रहे स्पष्टीकरण को खारिज करता रहा विपक्ष क्या आज जनता को अर्थव्यवस्था का सच बताने की हिम्मत दिखायेगा? हम आपको यह भी बता दें कि यह विपक्ष के नेता बार-बार ईडी पर जो सवाल उठाते हैं यह उस ईडी की छापेमारियों का ही कमाल है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को अपने 15 हजार करोड़ रुपए उन भ्रष्टाचारियों और भगोड़ों से वापिस मिल पाये हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में बताया है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन रोकथाम कानून के तहत कार्रवाई करते हुए 15,186.64 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है तथा इनमें से लगभग सभी राशि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को वापस लौटा दी गई है। वित्त मंत्री ने यह भी बताया है कि ऋणों का भुगतान नहीं करने वालों, खासकर जानबूझकर कर ऐसा करने वालों, के खिलाफ विभिन्न कानूनी प्रावधानों के जरिए कार्रवाई की जा रही है और उसके फलस्वरूप, बड़ी मात्रा में धनराशि बैंकों को वापस मिल रही है। यही नहीं, विपक्ष जोकि बार-बार सरकार पर बैंकों को बर्बाद करने का आरोप लगाता है उसे यह आंकड़ा भी देखना चाहिए कि पिछले दो वित्त वर्षों में, वाणिज्यिक बैंकों में गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनएपी) खातों की संख्या 2.19 करोड़ से घटकर 2.06 करोड़ हो गई है, जो 6.2 प्रतिशत की कमी स्पष्ट करती है। इसी प्रकार, इस अवधि के दौरान ऐसे खातों का कुल बकाया (सकल एनपीए) 7.41 लाख करोड़ रुपये से घटकर 5.72 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो 22.9 प्रतिशत की गिरावट दिखाता है। यही नहीं, विपक्ष के जो आर्थिक सलाहकार भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर 5 से साढ़े पांच प्रतिशत के बीच रहने की भविष्यवाणियां करते फिरते थे वह भी आश्चर्यचकित है कि कैसे उनके सभी अनुमान धरे के धरे रह गये हैं और भारत अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर दुनिया में सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है। मोदी सरकार द्वारा उठाए गए।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5082

	4			1				9
	7			6		1		
1	6	3	9					8
	3					2		
	5		7		2		1	
		6					3	
6					5	8	9	2
		5		2			6	
9				8			4	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5081

6	9	5	4	7	3	2	1	8
7	3	4	8	2	1	5	6	9
2	8	1	6	9	5	7	3	4
8	1	2	5	3	9	4	7	6
4	6	7	2	1	8	9	5	3
3	5	9	7	6	4	8	2	1
1	7	3	9	4	2	6	8	5
9	2	8	1	5	6	3	4	7
5	4	6	3	8	7	1	9	2

वर्ग पहेली 5082

संकेत: बाएं से दाएं

1. विम्बलडन टेनिस में अपनी जीत दर्ज कराने वाली प्रथम भारतीय महिला (5)
4. चंद्रमा के पुत्र जो नवग्रहों में से एक है (2)
6. जो भाग्य में लिखा हो, प्रारब्ध (2)
7. प्रेमी, सनम, बालम्‍मा (3)
8. झंकृत होना, झनकना (4)
10. दिन, दिवस (2)
11. स्पंदन, थिरथराहट, आलुप्मन (4)
13. प्रत्येक पक्ष की तीसरी तिथि (3)
15. आकाश, एक सांगीत वर्ण (3)
16. दंडादेश, अलंकृत (2)
19. आराम, चकित, रैयत (2)
21. सन् 2015 की सुपरहिट फिल्मों में से एक (4)
22. मिट्टी खोदने का एक फावड़ेनुमा औजार (3)

ऊपर से नीचे

1. गुजरात की एक प्रसिद्ध नदी जिसके किनारे अहमदाबाद व गांधीनगर जैसे नगर बसे हुए है (5)
2. उत्पत्ति, सम्पादन, निपादन (3)
3. प्राप्त हुआ, उपलब्ध होना, सम्मिलित होना, स्वाहन होना (3)
4. कायर, डरपोक, भीरु (4)
5. जिसके पास अपार संपत्ति हो, रईस, धनपति (4)
9. व्याकरण में वह शब्द जिसके वाक्य पर कर्ता की क्रिया का प्रभाव पड़े, वह जो किया जाये (2)
11. कांच के उद्योग के लिए प्रसिद्ध है उत्तर प्रदेश का यह नगर विशेषतः चूड़ी बनाने के लिए (5)
12. दस्तखत, हस्ताक्षर, हकीकत (2)
14. सरल्ला फिल्म से अपनी अभिनय यात्रा शुरू करने वाली अभिनेत्री जो इन दिनों राजनीति में सक्रिय है (4)
15. अग्नि, आग, अग्निन, हुताशेजी (2)
17. कारण, हेतु (3)
18. नकली, कूटकृत, पेट, मैल (2)
20. महाप्रभु, कूटयुक्ति, पुराकाल (2)

वर्ग पहेली 5081 का हल

अ	नि	त	अ	बा	नी		वि
का	जी		ग	ल		वि	श्व
ल		मी	द	क		ला	ना
प	ह				श	प	थ
स्व	न	हा	र		भी		न
	न	द	क		म	हू	आ
इ			औ	ना			न
त	स्वी	र		म	क	स	द

आज का राशिफल

मेष [illegible] सूचकांक-3-6-8

वृषभ [illegible] सूचकांक-1-3-5

मिथुन [illegible] सूचकांक-2-4-7

कर्क [illegible] सूचकांक-1-5-6

सिंह [illegible] सूचकांक-2-3-8

कन्या [illegible] सूचकांक-6-7-8

तुला [illegible] सूचकांक-3-7-8

वृश्चिक [illegible] सूचकांक-2-5-7

धनु [illegible] सूचकांक-2-6-8

मकर [illegible] सूचकांक-4-6-8

कुंभ [illegible] सूचकांक-2-5-6

मीन [illegible] सूचकांक-3-6-8

जिला स्तरीय जनसुनवाई आज गरोठ में

मंदसौर, 11 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक एवं आरओ बैठक सुशासन भवन के सभा कक्ष में आयोजित की गई।

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री यादव ने गरोठ एसडीएम एवं सभी विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई गरोठ मुख्यालय पर आयोजित होगी। जनसुनवाई सुबह 11 बजे शुरू होगी। जो की दोपहर 1 बजे तक चलेगी। उक्त जनसुनवाई में आने वाले सभी लोगों की समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया जाएगा। सभी एसडीएम इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखें की रेलवे दोहरीकरण के अंतर्गत जिस भी भूमि का सीमांकन किया जाना है यह कार्य जल्दी पूर्ण करें। अवैध अतिक्रमण हटवाने, लंबित सीमांकन के मामले का तुरंत निराकरण करें। स्वास्थ्य विभाग फीवर क्लिनिक को एक्टिव करें। कृषि विभाग इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखें कि, जिले में खाद की कमी न हो। खाद के संबंध में रिपोर्ट प्रतिदिन भेजें। सभी एसडीएम जनसुनवाई के प्रकरण, सीएम किसान कल्याण योजना के आवेदन, आरसीएमएस पोर्टल पर लंबित प्रकरण के मामलों का तुरंत निराकरण करें। आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए समरी रिवीजन का कार्य प्रारंभ करें। बैठक के दौरान सभी जिलाधिकारी, सभी एसडीएम, तहसीलदार मौजूद थे।

मनुष्य का सर्वश्रेष्ठ आविष्कार है भाषा

मंदसौर, 11 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर में दिनांक 11 दिसम्बर 2023 को तमील कवि सुब्रम्हण्यम भारतीजी की जन्म जयंती के अवसर पर भारतीय भाषा उत्सव मनाया गया।, जिसमें सेल्फी पाईंट मेरी मातृभाषा मेरा हस्ताक्षर कार्यक्रम में व्याख्यान एवं काव्य पाठ आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. एल.एन. शर्मा ने मेरी मातृभाषा मेरे हस्ताक्षर अभियान के अंतर्गत हिन्दी में हस्ताक्षर कर किया। आपने उद्बोधन में भाषाओं के महत्व को रेखांकित करते हुऐं सभी भाषाओं का सम्मान करने का आव्हान किया। हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. जे.एल. आर्य ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को भारतीय भाषाओं की विविधता से परिचित होना चाहिए। भारत को एकता के सूत्र में बांधने की भूमिका पर भी आपने विचार व्यक्त किये। मुख्य वक्ता डॉ. आर.के. सोहोनी ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुऐं कहा कि मनुष्य द्वारा अभी तक जितने आविष्कार किये गये उसमें सर्वश्रेष्ठ अविष्कार भाषा है। हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व होना चाहियें। देवनागरी लिपि में ध्वनियों का सही लेखन किया गया जा सकता। कार्यक्रम के अंत में काव्य गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। जिसमें विद्यार्थी पूजा पाटीदार, तुलसी धनगर, लखन माली, देवांषु नलवाया, अभिषेक चौहान तथा मोहित गोस्वामी ने काव्य पाठ किया। प्रो. संतोष शर्मा ने बिजली पर स्वरचित कविता सुनाई तथा प्रो. गजेन्द्र आर्य ने भीली भाषा का स्वरचित गीत सुनाया। इस अवसर पर डॉ. वी.पी. तिवारी, डॉ. टी.के. झाला, डॉ. उषा अग्रवाल, डॉ. विनीता कुलश्रेष्ठ, डॉ. राजेष सकवार, प्रो. दषरथ आर्य, डॉ. प्रेरणा मित्रा, प्रो. गौरा मुवेल, प्रो. गजेन्द्र आर्य, डॉ. ज्योति डोसी, प्रो. वर्दीचंद राठौ, डॉ. नेहा दीक्षित, प्रो. दिप्ती शक्तावत, प्रो. द्युति मिश्रा आदि प्रोफेसर एवं विद्यार्थियों ने हिन्दी मे हस्ताक्षर कर सेल्फी पाईट पर सेल्फी ली। कार्यक्रम का संचालन प्रो. आभा मेघवाल ने किया। अंत में आभार डॉ. वीणासिंह ने मानते हुऐं कहा कि हमारी उन्नति भारतीय भाषाओं के द्वारा ही संभव है।

पीलिया रोग में लापरवाही बरतना हो सकता है खतरनाक- डॉ.व्यास

मंदसौर, 11 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। पीलिया जिसे हमें वायरल हैपेटाइटिस के रूप में जानते है। यह रोग सामान्यत: वाइरस से फैलता है। शुरू में यह रोग की गति धीमी रहती है लेकिन रोगी लापरवाही करता है तो यह पीलिया उग्र रूप ले लेता है और कई बार रोगी की जान पर बन आती है। इसलिये पीलिया रोग पर शुरू में ही नियंत्रण आवश्यक है। उक्त बात प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. अजय व्यास ने दशपुर योग शिक्षा संस्थान द्वारा

योग भवन पर आयोजित स्वास्थ्य परिचर्चा में कही। डॉ. व्यास ने कहा कि पीलिया कई प्रकार का होता है। इस रोग के फैलने की वजह गंदगी या दूषित भोजन होती है। एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के संपर्क में आने से भी यह रोग फैलता है। बिना उबाली सुई और सिरेंज से इन्जेक्शन लगाने पर भी यह रोग फैल सकता है। इसलिये स्वच्छ वातावरण एवं सात्विक व साफ भोजन करे।

झाड-फूक से नहीं होता पीलिया का इलाज- आज भी अशिक्षित एवं ग्रामीण क्षेत्र के कुछ लोग पीलिया रोग में झाड-फूंक पर ज्यादा यकीन करते हैं। वह इस बीमारी को गंभीरता से नहीं लेते हैं। यदि समय पर इसका उपचार डॉक्टर से नहीं लिया तो यह खतरनाक हो सकती है। इसलिए पीलिया के समय मेडिकल ट्रीटमेंट अवश्य लेना चाहिए।

पीलिया के ये है लक्षण- आपने बताया कि आंखें पीली होना, पेशाब पीला आना, बुखार बना रहना, भूख न लगना, जी घबराना, उल्टी आना, कमजोरी महसूस होना और कुछ भी खाने में कड़वा लगना पीलिया रोग के लक्षण है।

संकल्प शक्ति दृढ़ हो कैंसर भी हो सकता है ठीक- डॉ. व्यास ने बताया कि कैंसर रोग तेजी से बढ़ रहा है। पेट में दर्द, पाइल्स की बीमारी को हम सामान्य ले लेते है लेकिन कई बार ये कैंसर का कारण बन जाती है। लापरवाही घातक हो सकती है। आपने बताया कि आजकल कैंसर सही समय पर डायग्नोसिस हो जाये तो उसका इलाज संभव है लेकिन रोगी की ठीक होने की संकल्प शक्ति दृढ़ होना चाहिए। डॉ. व्यास ने विभिन्न बीमारियों के प्रांरभिक लक्षण भी बताये तथा साधकों के प्रश्नों के उत्तर भी दिये। संस्थापक अध्यक्ष योग गुरू सुरेन्द्र जैन ने बताया कि योग के साथ-साथ नियमित जीवन शैली, उचित खानपान व्यक्ति को स्वस्थ रखने में सहायक होते है। आपने कहा कि शादी व अन्य आयोजनों में व्यक्ति को भोजन करने में संयम रखना चाहिये। संस्था अध्यक्ष सीए दिनेश जैन ने कहा कि योग संस्थान द्वारा हर माह स्वास्थ्य परिचर्चा आयोजित की जा रही है। जिसमें अलग-अलग विशेषज्ञ को बुलाकर स्वस्थ रहने के नुस्खे बताये जा रहे है। इस अवसर पर योग शिक्षक लोकेन्द्र जैन, खुशी गोकलानी, पवन गोकलानी, विद्या चौधरी का जन्मदिवस पौधा भेंटकर मनाया गया।

प्रारंभ में सूक्ष्म व्यायाम योग शिक्षक ओमप्रकाश गर्ग ने कराया। डॉ. व्यास का स्वागत योग शिक्षक लोकेन्द्र जैन, प्रीति जैन, जितेश फरक्या, ललित जैन आदि ने किया। कार्यक्रम में नीलम जैसवानी, ललिता मेहता, सुमन रावल, शारदा माली, आस्था, महेश सेठिया, कैलाश सोनी, आनन्द कर्म, सुभाष पाटीदार, ललित वरमण्डलवाला, गिरधर माली, राजेन्द्र चाष्ट, तेजमल गांधी, लालुप्रसाद चंचो सिया, कंवरलाल पाटीदार, कंवरलाल पाटीदार आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन संस्था सचिव लोकेन्द्र जैन ने किया।

संस्था बीआर फाउंडेशन द्वारा शिक्षा और कला के क्षेत्र में प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

भादवा माता, 11 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। ग्रामीण व शहरी इलाकों में छिपी प्रतिभा को अगर मौका मिले तो ।वह भी विश्व पटल पर अपना हुनर बखूबी बता सकते हैं। जरूरत है ऐसी प्रतिभाओं को आगे लाने की इसी उद्देश्य को लेकर मध्य प्रदेश की संस्था बी.आर. फाउंडेशन द्वारा शिक्षा और कला के क्षेत्र में ओपन प्रतियोगिता के तहत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता का नीमच जिले के भादवा माता में आयोजन किया गया।। प्रतियोगिता में 165 प्रतिभागियों ने पंजीयन किया। एवं अपनी कला का प्रदर्शनी की। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अंजली शर्मा, द्वितीय स्थान राधा गुर्जर, तृतीय स्थान संगीता डांगी वहीं रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रुति सोलंकी, द्वितीय स्थान राधिका पाटीदार, एवं तृतीय स्थान ज्योति मालवीय ने इसी क्रम में चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राहुल राठौर,

द्वितीय स्थान ज्योति रेंगर एवं तृतीय स्थान नेहा सुथार ने प्राप्त किया।। सभी प्रतिभागियों का प्रशासनिक अधिकारी, समाजसेवीयो एव संस्था के पदाधिकारी द्वारा पुरस्कार राशि, शील्ड, प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।। वही इसी अवसर पर संस्था के पदाधिकारी का दीपावली स्नेह मिलन सम्मान समारोह आयोजित किया गया संस्था के सभी पदाधिकारी को दीपावली उपहार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।। कार्यक्रम के अंत में सभी का स्नेह भोज हुआ। वही संस्था के संरक्षक एडवोकेट भेरुप्रसाद परमार ने कार्यक्रम का आभार व्यक्त किया। उक्त जानकारी नीमच जिला मीडिया प्रभारी प्रमोद राठौर द्वारा दी गई

मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री का निर्णय होने पर जिला भाजपा कार्यालय पर हुई आतिशबाजी

मंदसौर, 11 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय नेतृत्व द्वारा मध्यप्रदेश में उज्जैन ग्रामीण विधायक पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री मोहन जी यादव को मुख्यमंत्री एंव मंदसौर जिले के वरिष्ठ विधायक पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री जगदीश जी देवडा को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने के निर्णय पर भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया के नेतृत्व में जिला भाजपा कार्यालय के बाहर पदाधिकारी एंव कार्यकर्ताओं द्वारा आतिशबाजी एंव मिठाई वितरण कर शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने कहा की आज हमारे उज्जैन संभाग के साथ प्रदेश में प्रसन्नता की लहर है। हमें मुख्यमंत्री के रूप में अनुभवी जमीन से जुड़े बाबा महांकाल की नगरी से पूर्व मंत्री श्री मोहन जी यादव के नेतृत्व में प्रदेश का उत्तरोत्तर विकास करने का अवसर प्राप्त होगा, साथ ही मंदसौर जिले के वरिष्ठ अनुभवी केबीनेट मंत्री जगदीश जी देवडा को उपमुख्यमंत्री बनाने का जो निर्णय शीर्ष नेतृत्व द्वारा लिया गया उससे मंदसौर जिले का एक-एक कार्यकर्ता उत्साहित है और प्रशासनिक कार्यप्रणाली के साथ जिले सहित आस-पास के क्षेत्र की जनता को भी इसका लाभ प्राप्त होगा। इस अवसर भाजपा जिला पदाधिकारीगण राजेश नामदेव, राजेश पालीवाल, हितेश शुक्ला, राजकुमार गुप्ता, अंकित सोनी, निलेश जैन, अजा. मोर्चा जिलाध्यक्ष अशोक सूर्यवंशी, नरेश चंदवानी, युवा मोर्चा जिला महामंत्री बंटी चौहान, मंडल अध्यक्षगण अरविन्द सारस्वत, ईश्वर सिंह पंवार, अजय आसेरी, भरत डांगी, प्रकोष्ठजिला संयोजक पप्पू चंदवानी, जितेश पंड्या, गणेश फत्रावार, मंडल महामंत्री मयंकमावर, रॉकी यादव, नितिन ब्रिजवानी, गोपाल पाटीदार, दलपत डांगी, अजीजुल्लाह खान, गोवर्धन कुमावत, अनूप माहेश्वरी, दीपक गाजवा, देवेन्द्र मरच्या, पियुष जैन, सुयश राठौर, बंशी धनगर, आकाश निगम, अरूण भावसार, विष्णु सोनी, अजय शर्मा, महेश गुप्ता, नरेन्द्र पंवार, दिपू यादव, शशांक कश्यप सहित अनेक पदाधिकारीगण एंव कार्यकर्ता गण उपस्थित थे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

विकसित भारत संकल्प यात्रा केन्द्रीय योजनाओं के सभी पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलायेगी

कलेक्टर ने नोडल अधिकारी एवं पंचायत और नगरीय स्तर पर दल गठित किए, यात्रा तैयारियों की समीक्षा की

नीमच, 11 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। केन्द्रीय योजनाओं के सभी पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने और नवाचारी योजनाओं से देश हुए, विकास से आम लोगों को परिचित कराने के लिये प्रदेश सहित नीमच जिले में भी 16 दिसम्बंर 2023 से विकसित भारत संकल्प यात्रा आयोजित की जा रही है। यह यात्रा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में से गुजरेगी और केन्द्रीय योजनाओं से वंचित हितग्राहियों को लाभान्वित करवायेगी। सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में विकसित भारत संकल्प यात्रा के रथों के रूट एवं वाहन प्रभारी नियुक्त करने और यात्रा तैयारियों की बैठक आयोजित की गई। यात्रा के लिए नोडल अधिकारी एवं पंचायत और नगरीय स्तर पर दल गठित किए है।

बैठक में कलेक्टतर ने निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल पर यह सुनिश्चित किया जायेगा, कि सभी निर्दिष्टविभागों के द्वारा अपने-अपने स्तर से लाभार्थियों एवं आमजन की उपस्थिति सुनिश्चित की जायेगी, एवं कार्यक्रम में योजनाओं जैसे-पेंशन योजनाएँ, स्वास्थ्य मेला, पशु स्वास्थ्य मेला, आयुष्मान भारत कार्ड, कृषि से संबंधित स्टाल, स्व-सहायता समूहों के स्टाल, बैंकिंग क्षेत्र के स्टाल, आदिवासी विकास विभाग से संबंधित स्टाल लगाये जायेंगे। उल्लेखनीय है, कि केन्द्र सरकार, राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ मिलकर लगातार प्रयास कर रही है, कि केन्द्रीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राहियों को मिले। ग्राम स्वराज अभियान, विस्तारित ग्रामस्वराज अभियान, प्रमुख योजनाओं का शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने के लिए संकल्प यात्रा निकाली जा रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों में यात्रा का उद्देश्य- ग्रामीण इलाकों के लिये प्रमुख योजनाओं में आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अत्योदय योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री पोषण अभियान, हर घर जल, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री स्वामत्वि, जन धन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री प्रणाम, नैनो फर्टि लाइजर शामिल हैं। साथ ही जनजातीय परिवारों के कल्याण से संबंधित योजनाओं में सिकल सेल एनीमिया निवारण मिशन, एकलव्य मॉडल आवासीय विदयालयों में प्रवेश, स्कॉलरशिप, वन अधिकार, वन-धन विकास केन्द्र शामिल हैं।

शहरी क्षेत्रों में यात्रा का उद्देश्य- शहरी क्षेत्रों में यात्रा के दौरान शहरी योजनाओं में प्रधानमंत्री स्वनिधि, प्रधान मंत्री विश्वकर्मा योजना प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा लोन, स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत अभियान, प्रधानमंत्री ई-बस सेवा, अटल मिशन फॉर रिजूवनेशन एंड अर्बन ट्रांसपोर्टेशन-अमृत योजना, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना, सौ-भाग्य योजना, डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर, खेलो इंडिया, उडान, वंदे भारत ट्रेन, अमृत भारत स्टेशन योजना शामिल हैं। इन योजनाओं में पात्र हितग्राहियों को चिंहित कर, लाभान्वित किया जायेगा। बैठक में एडीएम सुश्री नेहामीना, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, संयुक्ति कलेक्टगर श्री राजेश शाह, सभी एसडीएम, जनपद सीईओ एवं जिला अधिकारी एवं श्री सुनील कराडिया भी उपस्थित थे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के लिए जिला स्तरीय समिति गठित- जिले में विकसित भारत संकल्पद यात्रा के सफल आयोजन के लिए कलेक्ट र श्री दिनेश जैन द्वारा जिला स्तसरीय क्रियान्वंयन समिति गठित की गई है। कलेक्टेर नीमच इस समिति के अध्यिक्ष है। जिला पंचायत सीईओ समिति के समिति के सदस्यि सचिव है। समिति में संबंधित एसडीएम, जनपद सीईओ, अधीक्षक डाकघर, संबंधित योजनाओं के जिला अधिकारी, एसडीओ दूरसंचार, परियोजना अधिकारी शहरी विकास, सीएमएचओ, जिला आपूर्ति अधिकारी, उप संचालक पशुपालन, सहायक संचालक मत्यस उद्योग, उप संचालक कृषि, कार्यक्रम अधिकारी महिला एंव बाल विकास, कार्यपालन यंत्री लोक स्वाशस्य्कघ यांत्रिकी, अग्रणी बैंक प्रबंधक, महाप्रबंधक जल जीवन मिशन, सहायक संचालक जनसम्परर्क, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी, डीजीएम ई-गर्वनेस, जिला प्रबंधक लोकसेवा, सदस्यं बनाये गये है। उपरोक्ता जिला स्त्रीय क्रियान्वोयन समिति द्वारा समपूर्ण जिले के लिए आईईसी वेन का तिथिवार, पंचायतवार, रूटचार्ट एवं कार्यक्रमों का निर्धारिण किया जावेगा एवं शासन स्त र से प्राप्त निर्देशों का क्रियान्व यन विकसित भारत संकल्पि यात्रा कार्यक्रम अन्तणर्गत किया जावेगा। उक्तप आदेश तत्काशल प्रभावशील होगा।

विकसित भारत संकल्पत यात्रा के लिए नगरपालिका नीमच स्तिरीय समिति गठित- जिले में विकसित भारत संकल्पय यात्रा के सफल आयोजन के संबंध में नगरपालिका नीमच क्षैत्र के लिए समिति का गठन किया गया है। नगरपालिका परिषद नीमच की समिति में कलेक्टर अध्यक्ष है। एसडीएम नीमच, सीएमएचओं, महाप्रबंधक जिला व्या पर एवं उद्योग विभाग, जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी, मुख्यर प्रबंधक जिला अग्रणी बैंक, कार्यपालन यंत्री/सहायक यंत्री म.प्र.विद्युत वितरण कम्पेनी नीमच, जिला जनसम्परर्क अधिकारी, जिला खेल अधिकारी, नगरपालिका के सहायक यंत्री, सीटी मैनेजर, एनयुएलएम, सदस्य बनाये गये है। सीएमओ नगरपालिका नीमच सदस्यि सचिव है। इस समिति द्वारा नगरीय क्षेत्र के लिए आईईसी वेन का तिथिवार रूटचार्ट एंव कार्यक्रमों का निर्धारण कर, जिला स्तआरीय क्रियान्वसयन समिति से अनुमोदन लिया जाएगा। जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति के द्वारा विकासखण्डय स्ततरीय समिति से समन्वगय कर, कार्यक्रमों को आयाजित किया जावेगा। कार्यक्रम की मॉनिटरिंग प्रचार, प्रसार, समन्वाय रिर्पोटिंग आदि का कार्य नगरीय निकाय समिति के द्वारा किया जावेगा। इसी तरह जिले के अन्यप सभी नगरीय निकाय स्त र पर भी समिति का गठन किया गया है।

टेकरी बालाजी आश्रम महन्त को किया अयोध्या के लिए आमंत्रित

पिपलियामंडी, 11 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। 22 जनवरी को अयोध्या में गर्भगृह में रामलला के नूतन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए मल्हारगढ तहसील से, पिपलियामंडी अम्बाधाम टेकरी बालाजी के महन्त अरविन्दानन्द सरस्वती को आमंत्रित किया है। उन्हें आयोजन में शामिल होने के लिए आरएसएस के जिला कार्यवाह दिलीप चावडा, विहिप जिला सहमंत्री नीलेश जैन, प्रवीण मेघवाल आदि ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र महासचिव चम्पतराय द्वारा भेजा गया आमंत्रण पत्र दिया।

कुए से पानी के विवाद में दांतों से गाल पर काटा, पिता-पुत्र पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 11 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। खेत की सिंचाई के लिए कुए से पानी लेने के विवाद में दांतों से गाल पर काटने के मामले में पुलिस ने भाई व भतीजे के खिलाफ केस दर्ज किया पीर गुराडिया निवासी भगतराम प्रजापति ने नारायणगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि कुए से पानी पिलाने की बात पर मेरे भाई मांगीलाल प्रजापति व भतीजे अजय पिता मांगीलाल ने गाली-गलौज की व मारपीट की। मेरे बेटे दीपक के गाल पर अजय ने दांतों से काट लिया। पुलिस ने पिता-पुत्र के खिलाफ केस दर्ज किया।

सावधानी व सुरक्षा ही एड्स से बचाव का तरीका

मंदसौर, 11 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। संस्था एडवांस इनफॉरमेशन मैनेजमेंट सोसायटी (लिंक वर्कर स्कीम) मंदसौर-रतलाम द्वारा विश्व एड दिवस पखवाडे के अंतर्गत क्षेत्रीय सांसद श्री सुधीर गुप्ता की अध्यक्षता में जावरा नयागांव टोल नाके पर एचआईवी पर जागरूकता संदेश कार्यक्रम आयोजित किया।

इस दौरान सांसद श्री गुप्ता ने संस्था के कार्यों की सराहना की तथा लोगों को एड से बचाव हेतु जागरूक किया। इस अवसर पर संस्था द्वारा नुक्कड नाटक के माध्यम से जागरूकता संदेश दिया तथा रंगोली द्वारा रेड रिबन बनाया गया। संस्था सदस्यों ने बताया कि सावधानी व सुरक्षा ही एड से बचाव का तरीका है। जिस प्रकार यह रोग फैलने के मुख्य चार कारण है उसी प्रकार सुरक्षित रहने के भी चार कारण है। कार्यक्रम में टोल कम्पनी के जनरल मैनेजर आर.एल. मेघवाल, थडोद उपसरपंच संजय सिंह चुंडावत, पंच वर्षा चुंडावत, जिला आईसीटीसी सुपरवाइजर राजेश रजक, जिला आईसीटीसी काउंसलर दीप्ति साहू, संस्था संचालक लोकेंद्रसिंह तोमर, जिला समन्वयक श्रीमती सोनू पालीवाल व संस्था से राहुल चौहान, सपना चौहान, मेघा, कृष्णपाल सिंह, महेंद्रसिंह विक्की, नवीन, युवराज, अजीत, धर्मेंद्र, सुप्रीत, विकास आकाश, निकेश, अक्षय, शंकर, मोनु ने सहभागिता की। आभार राम पाटीदार ने किया।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	101	2080	2200
उडद	30	5650	8400
सोयाबीन	6700	4450	4919
गैहु	2440	2411	3000
चना	130	5080	5431
मसुर	225	5000	5916
धनिया	373	5800	7851
लहसुन	12000	12500	22500
मैथी	796	5301	6750
अलसी	1893	4851	5251
सरसो	413	4651	5300
तारामीरा	2	4680	4832
इसबगोल	11	9401	14501
प्याज	10000	500	2211
कलोंजी	187	11700	16850
डॉलर	10	9501	12600
तिल्ली	023	14701	15701
मटरसुखी	00	00	00
असालीया	59	9700	10966

मुफ्त बांटने की घोषणाओं ने राज्यों का खर्च 77 प्रतिशत बढ़ा दिया, जबकि कमाई 47 प्रतिशत ही बढ़ी

इतने घाटे वाले राज्य को चलाएंगे मोहन यादव

मंदसौर/उज्जैन, 11 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रत्येक राजनीतिक दल इन दीनों सिर्फ सरकार बनना चाहते हैं फिर चाहे सरकारी खजाने से कुछ भी लूटाना पड़ जाए। जबकि, देश के प्रधानमंत्री ने 2014 में सरकार बनाने के पहले जिन मूल मुद्दों को जुमले बनाकर जनमत को के मतों को एक तरफा आकर्षित किया था। उनमें से एक गुड गवर्नेंस भी था, यानी सुशासन देंगे। स्पष्ट था कि मुफ्त की रेवड़िया नहीं बाटेंगे। शासन व्यवस्था में ही ऐसे सुधार करेंगे कि मुफ्त की रेवड़िया बांटना ही ना पड़े। सुशासन की बात 15 लाख रुपए खाते में आने वाले जुमले में शामिल नहीं थी। इन्हीं महामानव के नेतृत्व में केंद्र में दूसरी बार एनडीए की सरकार बनी है और एक करोड़ 40 लाख की जनसंख्या में से 80 लाख लोगों को मुफ्त पांच किलो अनाज बांटा जा रहा है। राज्य सरकारों के मुख्यमंत्री भी पीछे क्यों रहते, लगातार मुफ्त की घोषणाओं से सरकार का खर्च बढ़ाते रहे, इधर आमदनी लगातार घटती गई।

आरबीआई की एक रिपोर्ट अनुसार 21 बड़े राज्यों की कमाई बीते दिनों मात्र 47 प्रतिशत ही बढ़ पाई है। जबकि, खर्च 77.28 प्रतिशत तक पहुंच गया है। राज्य सरकारे कर्ज लेती रही है, जो 76.6 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। इनकी भरपाई के लिए राज्य सरकारों को अपनी आधी हो चुकी कमाई में से भी 23 प्रतिशत राशि ब्याज की भरपाई में देना पड़ता है। बानगी देखिए महाराष्ट्र में 2018 में खर्च 23 हजार 961 करोड़ रुपए था, जो अब उन 89 हजार 598 करोड़ होकर 274 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्शाता है। रिपोर्ट के राज्यवार खर्च के आंकड़ो पर नजर डालते हैं तो उत्तर प्रदेश में खर्च 2018 में 27 हजार 810 करोड़ था, जो अब 81 हजार 178 करोड़ रुपए होकर 192 प्रतिशत बढ़ा है। इसी प्रकार इसी अनुसार तमिलनाडु में 39 हजार 840 करोड़ था, अब 96 हजार 614 करोड़ होकर 195.5 प्रतिशत बढ़ा है। मध्य प्रदेश में 22 हजार 745 करोड़ था, अब 52 हजार 511 होकर 131 प्रतिशत बढ़ चुका है। राजस्थान में 23 हजार 342 करोड़ था। अब 58 हजार 212 करोड़ होकर 130 प्रतिशत अ़धिक हो चुका है। छत्तीसगढ़ में 810 करोड़ से बढ़कर 14 हजार 600 करोड़ होकर अब 114 प्रतिशत बढ़ चुका है। केरल में 26 हजार 837 करोड़ से बढ़कर 39 हजार 117 करोड़ होकर 45.75 प्रतिशत बढ़ा है। गुजरात में 21 हजार 366 करोड़ से बढ़कर 46 हजार 113 करोड़ होकर 70 प्रतिशत, बिहार में 14 हजार 305 करोड़ से बढ़कर 25 हजार 885 करोड़ होकर 81 प्रतिशत और पंजाब में 12 हजार 494 करोड़ से बढ़कर 23 हजार 435 करोड़ होकर 90.44 प्रतिशत तक बढ़ा है।

एक तरफ इन बड़े राज्यों में कर्ज के साथ ब्याज का भार बढ़ता जा रहा है, दूसरी तरफ पूंजीगत निवेश वृद्धि दर लगातार घटती जा रही है। इन्हीं राज्यों में यह दर 9.6 प्रतिशत है। जबकि, बीते साल 15 प्रतिशत थी। जो वर्तमान परिस्थितियों के चलते अगले 6 माह में घटकर 8.4 प्रतिशत रह जाएगी। वर्ष 2023 का घाटा इन राज्यों का 70 हजार करोड़ हो चुका है। जबकि, शुरुआती 6 माह तक 50 हजार करोड़ रुपए था। मध्य प्रदेश सरकार ने लाडली बहना योजना, सस्ती गैस जैसी और भी लुभावनी घोषणा कर तो दी है, पर उनके लिए राशि आम टैक्स देने वालों के हलक में आंकड़ा डालकर निकालेंगे! प्रदेश सरकार ने बीच चुनाव में कर्मचारियों के वेतन बांटने के लिए 2 हजार करोड़ रुपए का कर्ज लिया है। जाहिर है प्रदेश को पूरे कर्ज की राशि पर 23 प्रतिशत ब्याज दर की राशि देना होती है। जबकि, मूलधन की किश्त राशि अलग होती है। हमारा मध्य प्रदेश किस ओर जा रहा है, अंदाज लगा सकते हैं और आने वाले समय में प्रदेश के प्रत्येक आम नागरिक को क्या-क्या भुगतना पड़ेगा ये अंदाज भी लगाया जा सकता है।

चन्द्रमोहन भगत

श्रीलंका के हालात सभी जानते हैं। जल्द ही कुछ ऐसे हालात तमिलनाडु के होने वाले हैं, जहां गर्भ में बच्चा आते से ही उसे सरकार से सुविधा राशि मिलने लगती है। फिर मुफ्त में स्कूल जाने तक इलाज, युवक होने पर शादी में लड़की को सोना तो लड़के को फ्रिज, कूलर, पलंग आदि घरेलू सामान सरकार देती है, साथ में दो रुपए में भोजन। इस राज्य में कामगार दूसरे राज्यों से आ रहे हैं। धीरे-धीरे उनकी संख्या बढ़ जाएगी और स्थानीय अल्पसंख्यक हो जाएंगे। तब तक संभव है कि राज्य सरकार कंगाल हो जाएगी और बाहरी और स्थानीय विवाद भी शुरू हो जाएगा! बहरहाल सभी राज्यों की स्थिति लगभग एक जैसी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुशासन की बात कही जरूर थी, पर किसी भी राज्य में लागू नहीं करा पाए। उल्टे केंद्र सरकार भी किसानों की सम्मान राशि 6 हजार से बढ़ाकर 12 हजार करने जा रही है। इसी में भाजपा शासित राज्य 6 हजार जोड़ेंगे कूल 18 हजार रुपए प्रति साल किसानों को देना होगा। इन सभी लुभावनी घोषनाओं के लिए राशि हमारी जेबों से ही निकाली जाएगी। इंतजार करें, हमारे ही मतों से एसा समय निश्चित ही आने वाला है।

बोर्ड परीक्षा: वेबसाइट पर अपलोड हुए सैंपल पेपर

दो माह का समय बचा, विद्यार्थियों को मिली बड़ी सुविधा

मंदसौर, 11 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की हाईस्कूल और हायर सेकंडरी परीक्षाओं में अब दो माह का ही समय बचा है। ऐसे में मंडल ने विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी करने के लिए बड़ी सुविधा दी है। छात्रों को इन परीक्षाओं की तैयारी के लिए बोर्ड ने सभी विषयों के सैंपल पेपर तैयार कर वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं।

बोर्ड परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्र इन पेपर को हल कर यह जान सकेंगे कि बोर्ड के पेपर किस तरह के पैटर्न पर आएंगे। सैंपल पेपर में स्कीम ऑफ मार्क्स की जानकारी के साथ ही परीक्षा की तैयारी में विद्यार्थियों को मदद भी मिल सकेगी। बता दें हाईस्कूल व हायर सेकंडरी की परीक्षा इस बार फरवरी से शुरू होने जा रही है। इस बार हायर सेकंडरी परीक्षा में हिंदी के पेपर में 23 प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें एक से पांच प्रश्न के अंतर्गत 32 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। यह किस तरह के होंगे, यह सब कुछ सेंपल पेपर में दिया गया है। हाई स्कूल और हायर सेकंडरी के कुल 20 पेपर अपलोड किए गए हैं। इनमें हायर सेकंडरी के 14 और हाई स्कूल के सभी 6 प्रमुख विषय शामिल किए गए हैं। पाठ्य पुस्तक से प्रश्न तैयार करवाकर भी दिए गए हैं। निबंध के विषय क्या हो सकते हैं, यह भी पेपर में दिया गया है। प्रत्येक पेपर में प्रश्नों के प्रकार के साथ ही उनके उदाहरण भी दिए गए हैं।

सेंपल पेपर छात्रों के लिए फायदेमंद...

शिक्षा विभाग के अधिकारी ने बताया कि बोर्ड ने ही विशेषज्ञों से सैंपल पेपर तैयार करवाए हैं। विद्यार्थियों को सबसे बड़ा लाभ यह मिलेगा कि सैंपल पेपर से उन्हें यह स्पष्ट हो जाएगा कि प्रश्न किस तरह से पूछे जाएंगे। वहीं पेपर में जिन बिंदुओं को कवर किया गया है, उसके आधार पर उन्हें तैयारी करने में मदद मिल सकेगी।

कक्षा 12वीं का टाइम टेबल...

06 फरवरी– हिन्दी
08 फरवरी– अंग्रेजी
10 फरवरी– ड्राइंग एंड डिजायनिंग
12 फरवरी– भौतिकी, अर्थशास्त्र, एनिमल हस्बैड्री, कला
13 फरवरी– मनोविज्ञान
15 फरवरी– बायोटेक्नालॉजी, गायन वादन
16 फरवरी– बायोलॉजी
17 फरवरी इन्फ्रास्मोटिक प्रैक्टिसेस
20 फरवरी– संस्कृत
21 फरवरी– रसायन शास्त्र, इतिहास, व्यवसाय अध्ययन शाला
22 फरवरी– समाजशास्त्र
27 फरवरी– मैथमेटिक्स
28 फरवरी– शारीरिक शिक्षा
29 फरवरी– राजनीति शास्त्र
02 मार्च– भूगोल, क्रॉप प्रोडेक्टशन एंड हर्टिकल्चर, शरीर रचना क्रिया
04 मार्च –कृषि, होम साइंस, बुक कीपिंग एंड एकाउंटेसी
05 मार्च– उर्दू, मराठी

कक्षा 10वीं का टाइम टेबल...

05 फरवरी– हिन्दी
07 फरवरी– उर्दू
09 फरवरी– संस्कृत
13 फरवरी– गणित
15 फरवरी– मराठी, गुजराती
19 फरवरी– अंग्रेजी
22 फरवरी– विज्ञान
26 फरवरी– सामाजिक विज्ञान

जिले में हर बच्चा निपुण अभियान की तैयारियां प्रारंभ

मंदसौर, 11 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। जिला परियोजना समन्वयक श्री लोकेन्द्र डाबी ने बताया कि जिले में हर बच्चा निपुण अभियान की तैयारियां प्रारंभ हो गयी है। बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान को बच्चों द्वारा समझ के साथ पढ़ने और आधारभूत गणितीय संक्रियाओं (जैसे - गिनना, स्थानियमान, जोड़, और घटाव) को हल करने के कौशल के रूप में परिभाषित किया गया है। बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान प्रारंभिक कक्षाओं (1 से 3) के साथ ही आगे की स्कूली शिक्षा और आजीवन सीखने हेतु एक आवश्यक और अनिवार्य आधार है। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 3 तक के सभी बच्चों द्वारा बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान हासिल करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। लक्ष्यों को समय सीमा में प्राप्ति हेतु निरंतर प्रयास करने की आवश्यकता है। निपुण भारत अभियान में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रत्येक बच्चे को कक्षा एवम् आयु अनुरूप दक्षताएं पूर्ण करने की दिशा में कार्य करना है। उक्त कार्य हेतु आवश्यक है की बच्चों के उपलब्धि स्तर का निरंतर परीक्षण करते हुए उनके समाधान हेतु उचित प्रयास किया जाए। निपुण भारत के लक्ष्यों की प्रगति पर नजर रखने व आवश्यक सुधार करने के उद्देश्य से राज्य द्वारा 'हर बच्चा निपुण' अभियान की शुरुआत की जा रही है। अभियान के अंतर्गत निपुण शाला, निपुण विकासखंड व निपुण जिला बनाने का समयबद्ध लक्ष्य रखा गया है। आगामी आकलन जिले के विद्यालयों में माह जनवरी 2024 में किया जाएगा जिसमें कक्षा 2 में पढ़ रहे निपुण विद्यार्थियों की संख्या (80%) के आधार पर जिले को निपुण घोषित किया जाएगा। इस अभियान में सक्रिय जनभागीदारी की आवश्यकता है।

ग्रहों की बदलती स्थिति खेती किसानी के लिए लाभयदायक

इस माह आदित्य मंगल, नवम पंचम योग, कई राशि को होगा लाभ

मंदसौर, 11 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। इस महीने 16 तारीख तक का समय खेती-किसानी करने वालों के लिए बेहद शुभ व लाभदायक बन रहा है। इस माह आदित्य-मंगल योग व नवम पंचम योग होने से किसानों को उम्मीद से अधिक लाभ होगा। इसके अलावा सूर्य का परिवर्तन भी कई राशि वालों के लिए लाभदायक बनेगा।

भारतीय ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों के गोचर का प्रत्येक व्यक्ति के जीवन पर काफी गहरा प्रभाव रहता है। ग्रहों के गोचर और ग्रहों के मिलन से कुछ लोगों को लाभ तो कुछ को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। दिसंबर में 10 दिन में ग्रहाधिपति सूर्यदेव, मंगल, बुध व गुरु ग्रहों के संयोग से दो शुभ योग बन रहे हैं। छह दिसंबर से नवम पंचम योग बन चुका है, जो आगामी 16 दिसंबर तक रहेगा। 27 दिसंबर को आदित्य मंगल योग बनेगा। इन दोनों योगों का प्रत्येक राशि पर असर होगा। कृषि कार्य के लिए ये दोनों योग अत्यंत शुभ साबित होगा। इन योगों के चलते से कई राशि के लोगों को अधिक लाभ मिलने के संकेत दिखाई रहे हैं। साल 2024 के शुरू होने से पहले आदित्य मंगल योग बहुत ही शुभ साबित होने वाला है।

भादवामाता मंदिर के पुजारी अर्जुन चौहान के अनुसार 6 दिसंबर को सर्वार्थ सिद्धि योग बना था। इसी दिन बुध और गुरु ग्रह एक सीध में आए हैं। इसके चलते बुध और गुरु का नवम पंचम योग भी बना हुआ है। यह 16 दिसंबर तक रहेगा। इसी दिन दोपहर 3.47 बजे सूर्य वृश्चिक से निकलकर धनु राशि में प्रवेश करेंगे। इसके 11 दिन बाद 27 दिसंबर रात 11.40 बजे मंगल भी धनु राशि में आ जाएंगे। ऐसे में धनु राशि में आदित्य मंगल योग का निर्माण होगा।

जीवन में खुशियां लाएगा...

इससे जनवरी 2024 तक कई राशि वालों के जीवन में मनचाहा परिवर्तन होगा व लाभ होगा। मेष राशि के जातकों के लिए आदित्य-मंगल योग का निर्माण नवम भाव में हो रहा है। मेष राशि के जातकों के लिए यह योग शुभ साबित होगा। भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा। सिंह राशि में आदित्य मंगल योग का निर्माण 5वें भाव में होगा। यह योग कार्यक्षेत्र में अच्छी उपलब्धि दिलाने में मदद करेगा। वर्ष 2024 में अच्छे दिन की शुरूआत होगी। धनु राशि के जातकों के लिए आदित्य मंगल राजयोग बहुत ही शुभ साबित होगा। यह राजयोग धनु राशि से लग्न भाव में बनेगा। इससे साहस में वृद्धि होगी। जीवन में सकारात्मक बदलाव होंगे। कन्या राशि वालों के लिए दिसंबर में बना नवम पंचम योग जीवन में खुशियां लाएगा।

नपा लोक अदालत में 47 लाख 16 हजार रू से अधिक की वसूली हुई

मंदसौर, 11 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। नपा परिषद मंदसौर के द्वारा दिनांक 9 दिसम्बर को शासन के निर्देशानुसार नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस लोक अदालत में 47 लाख 16 हजार 45 रू की आय प्राप्त हुई। नपा परिसर में आयोजित इस लोक अदालत ने कुल 671 प्रकरण रखे गये जिससे 355 प्रकरण सम्पत्तिकर व 316 प्रकरण जलकर वसुली के मजुंर किये गये। इन प्रकरणो में 33 लाख 97 हजार 281 रू की राशि सम्पत्तिकर की व 13 लाख 18 हजार 764 रू की राशि जलकर की प्राप्त हुई। इस प्रकार कुल 47 लाख 16 हजार 45 रू की राशि प्राप्त हुई। लोक अदालत की व्यवस्थाओ में नागरिको की किसी भी प्रकार की परेशानी नही आये इसके लिये नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने लोक अदालत का भी निरीक्षण किया और नपा के कर्मचारियो को वसुली के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

जन्मदिन मनाया और लगा ली फांसी

6 महीने पहले हुई थी शादी, दो मामलों में दो की मौत

नीमच/मनासा, 11 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। दो अलग अलग मामलों में दो युवकों ने आत्महत्या कर ली। पहला मामला सिटी थाना क्षेत्र का है, जहां जन्मदिन वाले दिन 24 वर्षीय युवक अपने ही घर में फांसी के फंदे पर झूल गया। वहीं, दूसरा मामला मनासा थाना क्षेत्र का है। जहां 22 वर्षीय युवक ने जहर खा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। दोनों ही मामलों में कारण अज्ञात है।

नीमच सिटी थाना क्षेत्र के जोशी मोहल्ले में एक 24 वर्षीय युवक ने घर में ही फांसी के फंदे पर झूलकर अपनी जान दे दी। फांसी लगाने से कुछ घंटे पहले ही युवक अपने दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियां मना रहा था। घटना नीमच सिटी के जोशी मोहल्ले में रहने वाले पप्पू नाथ योगी के 24 वर्षीय पुत्र लोकेश ने अज्ञात कारणों के चलते घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब तक परिजन दौड़कर युवक को बचा पाते, तब तक देर हो चुकी थी।

मृतक लोकेश की शादी करीब 6 माह पहले हुई थी। लोकेश अपनी पत्नी को 2 दिन पहले ही ससुराल छोड़कर आया था। वहीं उसका जन्मदिन भी था। जन्मदिन पर वह अपने दोस्तों और परिवारजनों के साथ दिन भर खुशियां मना रहा था। मगर रात होते होते जन्मदिन की खुशियां मातम में तबदील हो गई। लोकेश का 24 वा जन्मदिन आखरी जन्मदिन साबित हुआ। बताया जा रहा है कि रात में जिस वक्त यह घटना हुई उसके कुछ दूर देर पहले वह अपनी पत्नी से फोन पर बात कर रहा था। इसी दौरान फोन कट गया, जब पत्नी ने कई बार फोन ट्राय किया तो युवक ने फोन नहीं उठाया, अनहोनी और अनजाने डर के चलते पत्नी ने घर वालों को फोन कर बताया कि उसका पति फोन नहीं उठा रहा है। तत्काल परिजन उसके कमरे की ओर भागे, मगर तब तक देर हो चुकी थी। बड़े अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मनासा में 22 वर्षीय युवक ने जहर खाया...

मनासा थाना क्षेत्र के गांव पिपलिया रावजी में एक 22 वर्षीय युवक ने सल्फास की गोली घटक कर मौत को गले लगा लिया। घटना रविवार देर रात्रि की है। जब 22 वर्षीय रामप्रसाद पिता घनश्याम अपने कुंए पर गया था। इसी दौरान उसने सल्फास की गोलियां खाली। जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन जब कुंए पर पहुंचे तो उन्हें इस घटना की जानकारी मिली, परिजन उसे तत्काल नीमच के बड़े अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां युवक की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे राजस्थान के उदयपुर रेफर कर दिया गया। मगर युवक ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

लोक नृत्य प्रतियोगिता श्रेणी में उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर शिरोमणि बना

मंदसौर, 11 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर का अंतर महाविद्यालयीन युवा महोत्सव उमंग 2023-24 का सफलतापूर्वक समापन उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर में हो गया।

उक्त जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी डॉ अंकित पाण्डेय ने बताया कि युवा महोत्सव में कृषि महाविद्यालय ग्वालियर, कृषि महाविद्यालय इंदौर, कृषि महाविद्यालय खंडवा, कृषि महाविद्यालय सीहोर और उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर के प्रतिभागियों ने भाग लिया। तीन दिन तक चलने वाले इस युवा उत्सव में साहित्य, ललित कला, संगीत, नाट्य एवं नृत्य श्रेणियां में प्रतियोगिताएं संपन्न हुई। जिसमें लोक नृत्य प्रतियोगिता श्रेणी में उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर शिरोमणि बने। साथ ही साहित्य प्रतियोगिता श्रेणी में कृषि महाविद्यालय सीहोर, संगीत प्रतियोगिता श्रेणी में कृषि महाविद्यालय इंदौर, नाट्य श्रेणी में कृषि महाविद्यालय सीहोर प्रथम रहा। ललित कला श्रेणी में उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर एवं कृषि महाविद्यालय सीहोर संयुक्त रूप से विजेता रहे।

मोहन यादव के लिए खुद... पेज 1 से जारी

देखा जाए। यह चुनौती इस रूप में होगी कि अपने अब तक के कार्यकाल में शिवराज ने जो लोकप्रियता, सफलता और सक्रियता के कीर्तिमान स्थापित किए, उनसे आगे जाए बगैर यादव यह स्थापित नहीं कर सकेंगे कि पार्टी का उनके प्रति विश्वास एकदम सही था। शिवराज की लकीर इतनी बड़ी हो चुकी है कि विपक्ष तो दूर, खुद भाजपा के भीतर भी उस लकीर से आगे निकल पाने की क्षमता रखने वाला फिलहाल कोई चेहरा नजर नहीं आता है। तो जाहिर है कि यादव को इसके लिए बहुत अथिक परिश्रम करना होगा। फिलहाल तो दिमागी परिश्रम इस बात को लेकर भी चल रहा है कि अब शिवराज की अगली भूमिका क्या होगी? जाहिर है कि अपनी बहुत अलग और सशक्त छवि बना चुके शिवराज महज एक विधायक के रूप में नहीं दिखेंगे। तो फिर देखने वाली बात यह होगी कि चौहान की क्षमताओं का पार्टी कहां और किस रूप में इस्तेमाल करेगी? वो कहा गया है ना कि 'सितारों से आगे जहाँ और भी है' तो कोई बड़ी बात नहीं कि पार्टी ने शिवराज के लिए भी उनके मुफीद किसी बहुत ही चौंकाने वाले निर्णय का बंदोबस्त कर लिया हो। क्योंकि, यह वह पार्टी है, जो होनहार का तारणहार सिद्ध होने में कभी भी चूक नहीं करती है।

सुप्रीम कोर्ट ने आर्टिकल 370 हटाने... पेज 1 से जारी

शासन के दौरान केंद्र द्वारा कोई अपरिवर्तनीय कार्रवाई नहीं की जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि संविधान सभा की सिफ़ारिश राष्ट्रपति के लिए बाध्यकारी नहीं थी। जम्मू-कश्मीर संविधान सभा का उद्देश्य अस्थायी था। अनुच्छेद 370(3) के तहत राष्ट्रपति की यह अधिसूचना जारी करने की शक्ति कि अनुच्छेद 370 अस्तित्व में नहीं है, जम्मू-कश्मीर संविधान सभा के भंग होने के बाद भी कायम है।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि अनुच्छेद 356 के तहत शक्ति का इस्तेमाल कर उद्घोषणा के उद्देश्य के साथ उचित संबंध होना चाहिए। सीजेआई का कहना है कि राष्ट्रपति शासन के दौरान राज्य की ओर से संघ द्वारा लिया गया हर निर्णय चुनौती के लिए खुला नहीं है। इससे राज्य के प्रशासन को नुकसान होगा। एक ठहराव. याचिकाकर्ताओं का यह तर्क कि क्या संसद केवल राज्य की कानून बनाने की शक्तियां तभी बना सकती है, जब राष्ट्रपति शासन लागू हो? सीजेआई ने याचिकाकर्ता की इस दलील पर कहा कि यह स्वीकार्य नहीं है। सीजेआई ने कहा कि भारत में विलय के बाद जम्मू कश्मीर संप्रभु राज्य नहीं रहा।

सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर 2018 में जम्मू-कश्मीर में लगाए गए राष्ट्रपति शासन की वैधता पर फैसला देने से इनकार कर दिया। क्योंकि, इसे याचिकाकर्ताओं द्वारा विशेष रूप से चुनौती नहीं दी गई थी। सीजेआई ने कहा कि जब राष्ट्रपति शासन की घोषणा लागू होती है तो राज्यों में संघ की शक्ति पर सीमाएं होती हैं। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड ने कहा कि पांच जजों की बेंच में शामिल तीन जजों का फैसला एक, जबकि दो जस्टिस का फैसला अलग-अलग है। उन्होंने कहा कि भले ही फैसला अगल-अलग हों, लेकिन निष्कर्ष एक है।

दो मामलों में पुलिस को मिली बड़ी सफलता...

तीन क्विंटल से अधिक डोडाचूरा जप्त, पांच आरोपी गिरफ्तार

रतलाम, 11 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। एनडीपीएस एक्ट के दो अलग अलग मामलों में पुलिस ने सफलता अर्जित की है। जावरा के औद्योगिक क्षेत्र थाने ने जहां डोडाचूरा की तस्करी करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, वहीं विगत 19 नवंबर को एटलेन के एक नाले में पडी कार से बरामद 2 क्विंटल से अधिक डोडाचूरा के मामले को सुलझाते हुए इस अपराध के दो आरोपियों को भी नामली पुलिस ने धरदबोचा है। इस तरह पुलिस ने कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक राहूल कुमार लोढा ने कंट्रोल रुम पर आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान दोनो मामलों की जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को जिले की जावरा औद्योगिक क्षेत्र पुलिस को मुखबिर से मिली एक सूचना के आधार पर पुलिस ने कालूखेडा रोड स्थित कांकड बगीचे के पास खडे एक व्यक्ति को घेराबन्दी करके पकडा। उक्त व्यक्ति सात कट्टों में अवैध डोडाचूरा भर कर किसी चार पहिया वाहन का इंतजार कर रहा था, जिसमें ये डोडाचूरा लोड किया जाना था और कहीं अन्यत्र भेजा जाना था। पुलिस ने जब उस व्यक्ति को पकडा, तो उसके पास से सात कट्टों में भरा कुल 115 किलो डोडाचूरा बरामद हुआ। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम घनश्याम देवडा 34 नि.भाटखेडा थाना कालूखेडा बताया। घनश्याम ने बताया कि उसने यह डोडाचूरा उसी के गांव के रामनिवास और रणछोड कुमावत से लिया था और इसमें अपना स्वयं का

डोडाचूरा मिलाकर गांव के ही पवन भील व एक अन्य व्यक्ति के कहने पर पवन की मोटर साइकिल से काकड बगीचे के पास खडा होकर इंतजार कर रहा था। पवन भील ने उससे कहा था कि काकड बगीचे के पास सेमलिया गांव से भी एक व्यक्ति डोडाचूरा लेकर आएगा। ये सारा डोडाचूरा एक पिकअप वाहन में उसे लोड करना था। पिकअप वाहन भी वहीं आने वाला था। इसी दौरान पुलिस ने उसे पकड लिया। पुलिस ने घनश्याम से हुई पूछताछ के आधार पर रामनिवास पिता नरसिंह कुमावत 47 और रणछोड पिता कारू कुमावत 65 नि.भोटाखेडा को भी गिरफ्तार कर लिया है। इस तरह इस मामलें में तीन आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके है, जबकि पवन भील और दो अज्ञात व्यक्तियों की तलाश जारी है। इस मामले में पुलिस ने कुल 1,72,500 रु मूल्य का कुल 115 किलो डोडाचूरा और तस्करी में प्रयुक्त की जा रही मोटर साइकिल जब्त की है।

पुलिस अधीक्षक राहूल लोढा ने दूसरी सफलता की जानकारी देते हुए बताया कि विगत 19 नवंबर को थाना नामली पर यह सूचना प्राप्त हुई थी कि एटलेन रोड के चंदोडिया नाले में एक ब्रिजा कार दुर्घटनाग्रस्त होकर पडी हुई है। यह कार एटलेन से नीचे जाकर नाले में गिरी थी। जब नामली पुलिस ने घटनास्थल से नाले में पडी ब्रिजा कार क्र.जीजे09 बीडी 7406 को नाले से निकाला तो उस कार में 06 बोरे बरामद हुए। उन बोरों में डोडाचूरा भरा हुआ था जिसका वजन 2 क्विंटल 41 किलो था। कार से डोडाचूरा बरामद होने पर नामली पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट का आपराधिक प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरु की। जांच में पुलिस को पता चला कि बरामद हुई कार देवीसिंह उर्फ देवू पिता चंदनसिंह नि. बांधा गंगासरा थाना सेडवा जिला बाडमेरा की मालकियत की है। पुलिस ने पहले गाडी मालिक को गिरफ्तार किया। उक्त आरोपी से पूछताछ करने पर उसने बताया कि उक्त डोडाचूरा वह ग्राम मूंदडी थाना वायडी नगर जि. मन्दसौर के भवानीसिंह पिता प्रेमसिंह 54 से लाया था। जब पुलिस ने इस आरोपी को गिरफ्तार किया तो उसने बताया कि उसके पिता जी के नाम पर अफीम खेती का पट्टा है और उसके पिताजी लकवे से पीडीत है। उसने यह डोडाचूरा अपने पिताजी से छुपा कर रखा था, जो आरोपी देवीसिंह को बेचा था। पुलिस ने डोडाचूरा और वाहन को जब्त करते हुए दोनो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। इस मामले को सुलझाने में निरी.धर्मेन्द्र शिवहरे, उनि.सचिन डावर, कार्य. निरीक्षक प्रिति कटारे थाना प्रभारी थाना माणकचौक रतलाम, सउनि.बसील गणावा, कार्य.प्रआर 781 नरेन्द्र चावडा, कार्य.प्रआर 416 दिलीपसिह रावत, प्रआर.67 राहुल जाट थाना नामली, आर.795 संदीप सिंह भदौरिया थाना माणकचौक, सायबर सैल टीम उनि.अमीत शर्मा, प्रआर. मनमोहन शर्मा, प्रआर. लक्ष्मीनारायंण, प्रआर.हीम्मत सिंह, आर. विपुल भावसार, आर.मयंक व्यास, आर.राहुल पाटीदार आदि की सराहनीय भूमिका रही।

कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक क्यू   मंदसौर, दिनांक 11.12.2023

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन क्रमांक एमपी 14 सीडी 2457 जो कि परिवहन कार्यालय मंदसौर में रामसिंह पिता लक्ष्मणसिंहजी निवासी गरावद, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर के नाम से पंजीकृत है।

यह सूचित किया जाता है कि वाहन स्वामी की मृत्यु हो चुकी है इसलिए उक्त वाहन का अंतरण अपने नाम से करने हेतु उनकी पत्नी श्रीमती कल्लूबाई पति रामसिंह निवासी गरावद, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर ने इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है। इस संबंध में जिस व्यक्ति को आपत्ति हो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। अंतरण आवेदक के नाम पर कर दिया जावेगा।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (वि/यां.) संभाग उज्जैन, रेल्वे ओव्हर ब्रीज के पास, फ्रीगंज, उज्जैन म.प्र.

E-mail:- eepwdelecujn@nic.in

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 12/(2)/टी.सी./पीडब्ल्यूडी/ईएम/2023-24   **उज्जैन, दिनांक 08.12.2023**

निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

सं. क्रं.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रं.	ठेके की अनुमानित राशि (रु. लाख में)	अर्नेस्ट मनी की राशि (राशि रु.में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2023_PWDRB _318763_1	मंदसौर	बाईज हॉस्टल डाईट मंदसौर में विद्युतीकरण कार्य	प्रथम	9.20	18400	30 दिवस
2	2023_PWDRB _318764_1	शाजापुर	समेल नाला ब्रीज खोखराकला डीसी अण्डर ओएण्डएम डिवीजन शुजालपुर जिला शाजापुर पर 33 केवी/11केवी/एलटी लाईन/पोल शिफ्टिंग, उंचाई की उंचाई बढ़ाने का कार्य	प्रथम	19.97	39940	30 दिवस
			कुल योग		29.17		

उपरोक्त वेबसाईट ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक 23.12.2023 सायं 17.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। अर्नेस्ट मनी एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाईन ही प्राप्त किये जावेंगे।

G-21487/2023

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. (वि/यां.) संभाग उज्जैन
फोन - 0734-2561560

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356

समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।

फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in